**M.S.B Board**

**कक्षा : 10**

**हिंदी – 2014**

**समय: 3 घंटे** **पूर्णांक : 80**

---

सूचना :- शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

1. (अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्य-पाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :2

(1) पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो-

(अ) अपनी भोली बहू से।

(ब) धार्मिक क्रिया-कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से।

(क) मिसरानी दवारा दी हुई मौलिक सलाह से।

(2) विदेशी विदवान राष्ट्रपति भवन में पहुँचे तब -

(अ) शाम हो गई थी।

(ब) ठीक चार बजे थे।

(क) दोपहर हो गई थी।

(आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्य-पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। शब्दों को अधोरेखांकित कीजिए : 3

(1) अश्वारोही के सारे शरीर का _____ उबल-सा रहा था।

(2) फिर कृति कैसे _____ हो सकती है।

(3) आनंदभवन _____ से भरा हुआ था।

(इ) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्य-पाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए : 3

(1) पलाश के लाल-लाल फूल किसके समान दिखाई देते हैं?

(2) कूर्मांचल का नाम लेते ही लेखक की आँखों के आगे कौन-सी तस्वीर खड़ी हो जाती है?

(3) लेखक ने किसकी आँखों में टावेल लगाया?

(4) महंत ने नगर की असलियत जानने पर क्या फैसला किया?

(5) मैनेजर के लिए किस ऑफिस से पाँचवाँ फोन आया था?

(ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से कोई एक वाक्य किसने किस संदर्भ में कहाँ है? पठित गद्य-पाठ के आधार पर लिखिए : 3

(1) "इतनी जल्दी ताला-वाला क्यों लगा दिया आज.....।"

(2)"मेरे लिए कामयाबी का अर्थ है- सबसे ज्यादा चुनौतियो का सामना करना ।"

(उ) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्य-पाठों के आधार पर संक्षेत में (साठ-सत्तर शब्दों तक) लिखिए : 9

(1) कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग कर रखा था?

(2) राजकुमार संन्यासी को देखकर आश्चर्यचकित क्यों हो गया?

(3) राष्ट्रपति और जीवनशास्त्री के बीच आनंद के क्षण को लेकर क्या बहस हुई?

(4) मनुष्य के जीवन में सटीक वाणी का क्या महत्त्व है?

(5) महात्मा गांधीजी को स्नान के लिए ठीक समय पर गरम पानी क्यों पहुँचाया न जा सका?

(ऊ) निम्नलिखित पठित गद्य परिच्छेद पर आकलन हेतु दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक एक वाक्य में लिखिए : 3

यह पर्णपाती वृक्ष है। अर्थात वर्ष में एक बार इसके सभी पत्ते गिर जाते हैं और यह पर्णविहीन हो जाता है। सामान्यतया सर्दियों के मौसम में इसके पत्ते गिरते हैं और गर्मियों के मौसम में फूलों के समाप्त होते-होते नए पत्ते निकलने आरंभ हो जाते हैं। पलाश का वृक्ष जब तक एक छोटी झाड़ी के रुप में होता है, तभी इसमें बड़े-बड़े पत्ते निकलने लगने हैं। सामान्यतया यह देखा गया है कि जहाँ फूल निकलते हैं, वहाँ पत्ते नहीं निकलते और जहाँ पत्ते निकलते हैं, वहाँ फूल नहीं निकलते।

(1) पलाश को पर्णपाती वृक्ष क्यों कहा जाता है?

(2) सर्दी और गर्मी में पलाश की क्या स्थिति रहती है?

(3) परिच्छेद में पलाश की कौन-सी खासियत सूचित हुई है?

(अ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पदय-पाठों में प्रयुक्त, कोष्ठक में दिये उचित शब्द से कीजिए। शब्दों को अधोरेखांकित कीजिए : 3

(1) और नहीं _____ में भी गति।

(2) गुण ही जन-मन _____ , ताज हो ।

(3) हिंद के बहादुरा, _____ बालको!

(किरीट, शूरवीर, खग, पंखों)

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्य-पाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए : 3

(1) कबीर ने साई से अपने लिए क्या माँगा है?

(2) सुबह से हमने क्या नहीं देखा है?

(3) मेघ को किसने जुहार किया ?

(इ) निम्नलिखित पठित पदयांश पर आकलन हेतु दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3

यदि तू लौट पडेगा थककर,
अंधड़ कालबवंडर से डर,
प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको हँस-हँसकर।
खग, उडते रहना जीवनभर !"

(1) कालबवंडर से कवि का क्या तात्पर्य है?

(2) खग से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

(3) अपनों दवारा खग की खिल्ली कब उडार्इ जाएगी?

(ई) निम्नलिखित पठित पदय-खंड का सरल गदयार्थलिखिए : 3

दान दिए धन ना घटे, नही न घटे नीर।
अपनी आँखों देख लो, यों क्या कहे कबीर।।

(उ) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पदय-पाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए: 6

(1) ब्रजनारियाँ यशोदा माँ को अनोखा पूत जनने का उपालंभ क्यों देती हैं ?

(2) कवि रहीम ने धन और इज्जत के बारे में क्या कहा है?

(3) गजलकार दुष्यंत कुमार ने आम आदमी की मजबूरियों को किन शब्दों में अभिव्यक्त किया है?

(4)'मेघ' रुपी 'मेहमान' के आने से प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन हुए?

3. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : 8

(1) चंदा माँगने वाले और देने वाले लोग एक दूसरे को किस प्रकार पहचान लेते हैं?

(2) तुलसी में कौन-कौनसे औषधीय गुण हैं?

(3) थिंफू'का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(4) धनंजय ने नदी में डूगती महिलाओं को कैसे बचाया?

अथवा

निम्नलिखित दो पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

(1) गंगा बाबू हैं कौन?

(2) टेसी थॉमस।

(अ) निम्नलिखित दो शब्दों में से किसी एक शब्द का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) धीरे-धीरे;

(2) कि।

(आ) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : 1

(1) वाह ! कितना सुंदर बगीचा है!

(2) उसकी स्थिति होटल के 'शेफ' की तरह हो गई।

(इ) कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कालपरिवर्तन कीजिए : 1

(1) वह लगातार रो रहा था। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(2) इतने लोग छत पाते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : 1

(1) पलाश की लकडी से यज्ञ में काम आने वाले पात्र बनाए जाते हैं।

(2) उसके आँसुओं ने स्पीड पकड ली।

अथवा

निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रुप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) दौड़ना :

(2) चलना :

(उ) निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रुप लिखिए : 1

(1) लगना :

(2) पीना :

अथवा

निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रिया रुप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

(1) रानी ने आया से बच्चे को खिलवाया।

(2) भूकंप ने उन्हें नींद में ही सुलाया।

(ऊ) निम्नलिखित तीन वाक्यों में से कोई दो वाक्य शुदध करके लिखिए : 2

(1) आवाज बहु के कान में पहुँचा।

(2) तौलिया भिगकर वजनदार हो गई।

(3) तुम पश्चिम के और जाते है।

अथवा

निम्नलिखित तीन वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों में योग्य विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

(1) सर वह बर्तन माँजने वाली

(2) हो गई पार्टी पत्नी मुस्कारा रही है

(3) देखिए मेनू में एक खास परिवर्तन करना है

(ए) निम्नलिखित पाँच मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 3

(1) मन लगाना :

(2) मस्तक नवाना :

(3) खिल-खिलाकर हँसना :

(4) नेत्र बेचकर चित्र खरीदना :

(5) निगल जाना :

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से अधोरेखांकित तीन वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

(खरीद लेना, मालूम होना, गवारा न करना, बहुत ,खुश होना)

(1) उसे पता चला कि कुछ नए दूधवालों ने धंधा शुरु किया है।

(2) दामू ने हलवाई से पाँच किलो मिठाई मोल ली।

(3) तरह-तरह के फल देखकर बच्चे फूले नहीं समाते।

5. निम्नलिखित चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग डेढ सौ से दो सौ शब्दों तक निबंध लिखिए : 10

(1) विज्ञान के चमत्कार;

(2) हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर;

(3) एक समाजसेवक की आत्मकथा;

(4) यदि हिमालय न होता।

(अ) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक दो पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारुप (नमुना) तैयार कीजिए : 4

(1) दसवीं में पढने वालीवाला सुधा/सुधीर देसाई, 20 विदयानगर, कुडाळ से न्यू इंग्लिश स्कूल, कुडाळ के प्रधानाचार्य के मार्फत मा. शिक्षाधिकारी, माध्यमिक शिक्षण विभाग, जिला परिषद, सिंधुदुर्ग को पत्र लिखकर अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए प्रार्थना पत्र लिखती/लिखता है।

(2) रमेश/रमा पवार, 74 विदयाप्रसाद, प्रतापसिंह नगर, सातारा 415004 से मा. व्यवस्थापक, अजब पुस्तकालय, भवानी मंडप, कोल्हापुर को पत्र लिखकर विशेष अध्ययन के लिए मान्यवर हिंदी लेखकों की कुछ पुस्तकें मँगाता/मँगाती है।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमुना) तैयार कीजिए :
धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

(आ) निम्नलिखित रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। उसे उचित शीर्षक दीजिए और यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है : 4

चार चोर ___ धन चुराना ___ बँटवारे के लिए जंगल में जाना ___ भूख लगना ___ दोनों का मिठाई लाने नगर में जाना ___ मन में पाप ___ मिठाई मेंजहर मिलाना ___ जंगल के दोनों चोरों की भी नीयत बिगड़ना ___ हाथ-मुँह धोने के बहाने कुएँ पर ले जाना ___ कुएँ में धकेलना ___ शेष दोनों का मिठाई खाना ___ परिणाम।

(इ) निम्नलिखित अपठित गदय-खंड पर आकलन हेतु चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों : 4

आकाश में ग्रहों का पता लगाना जरा भी कठिन कार्य नहीं है। ये सभी सूर्य के भ्रमणपथ के आसपास ही रहते हैं। सूर्य आकाश में जिस मार्ग से खिसकता दिखाई देता है, उसे रविमार्ग कहते हैं। इस रविमार्ग के सत्ताईस समान भाग नक्षत्र और बारह समान भाग राशियाँ हैं। ये नक्षत्र या राशियाँ वर्तुलाकार के भाग हैं और इसीलिए इन्हें विभागात्मक नक्षत्र अथवा राशियाँ कहा जाता है। इनके नाम भी इन विभागों के समीप आए हुए नक्षत्रों और राशियों के अनुसार हैं। अधिक स्पष्टता के लिए इन दूसरे प्रकार के नक्षत्रों अथवा राशियों को तारात्मक नक्षत्र या राशियाँ कहा जाता है। सूर्य, चंद्रमा और ग्रह नक्षत्रों अथवा राशियों में से होकर गुजरते रहते हैं। अमुक समय में आकाश में ये सभी कहाँ दिखाई देंगे, इनका दैनंदिन ब्योरा अपने देशी पंचांगों में दिया जाता है। जिनका आकाश के तारों से परिचय है, ऐसे लोग स्थिर ग्रहों को झट पहचान लेते हैं।